Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 4

(2022)

9256

M.A. Examination

HINDI

(आधुनिक गद्य साहित्य)

Paper–VII

(Semester-II)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) मीठी बातों से बाघ के मुँह से अपना सिर नहीं निकाला जा सकता। उस वक्त का मारना ही एक इलाज है। आतंक! हाँ आतंक! हमें क्या आतंकवाद से डरना होगा? लोग हैं जो कहते हैं, आतंकवादी मूर्ख हैं, वे बच्चे हैं। हाँ, वे हैं बच्चे और मूर्ख।

(ख) "तुम सुबह पढ़ लिया करो। तुम्हारी माँ बूढ़ी हुई उनके शरीर में अब वह शक्ति नहीं बची है। तुम हो, तुम्हारी भाभी हैं, दोनों को मिलकर काम में हाथ बँटाना चाहिए।"

(ग) वह सुबह आए थे। उनकी बात कुछ समझ में नहीं आती। हमेशा दो बातें एक-दूसरे से उल्टी कहते हैं। कहते थे कि इस बार मुझे छह-सात महीने की छुट्टी लेकर आराम करना चाहिए, लेकिन अगर मैं ठीक हूँ, तो भला इसकी क्या जरूरत है?

(घ) "तुम छोड़ दो अबकी खेती। मजूरी में सुख से एक रोटी खाने को तो मिलेगी। किसी की धौंस तो न रहेगी। अच्छी खेती है, मजूरी करके लाओ, वह भी उसी में झोंक दो, उस पर से धौंस।"

(ङ) मनुष्य ज्योंही समाज में प्रवेश करता है, उसके सुख और दुःख का बहुत-सा अंश दूसरे की क्रिया या अवस्था पर अवलम्बित हो जाता है और उसके मनोविकारों के प्रवाह तथा जीवन के विस्तार के लिए अधिक क्षेत्र हो जाता है।

(च) ब्रज, अवध, बुंदेल खण्ड आदि जनपदों में ब्रज, अवधी, बुंदेल खंडी आदि भाषाएं बोली जाती थीं। इन जनपदों में रहने वाले छोटी-बड़ी रियासतों में बंटे हुए थे। वे सब किसी जाति में संगठित न हुए थे और इसलिए एक जातीय भाषा के रूप में उनके पास आपसी व्यवहार की कोई भाषा न थी।

(छ) किसी निषिद्ध आचरण के पहले कुलीन अवश्य रुकेगा। जैसे दूसरा जिसमें कौलीव्य की गन्ध भी नहीं हैं, बेधड़ कर गुजरेगा।

(ज) परम्परित अध्यात्म प्रायः पुरुष से प्रकृति की ओर प्रवर्तित होता है, और एक चेतन केन्द्र से नाना चेतन केन्द्रों की सृष्टि करता है किन्तु छायावादी काव्य प्रकृति की चेतन सत्ता से अनुप्राणित होकर पुरुष या आत्मा के अधिष्ठान में परिणत होता है। 4×8=32

(4×9=36)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'उसने कहा था' कहानी के कथ्य-शिल्प की विवेचना कीजिए।

(ख) नयी कहानी के संदर्भ में कमलेश्वर की पठित कहानी के युगबोध का विवेचन कीजिए।

(ग) 'एक कमजोर लड़की' कहानी की मनोचेतना पर नारीवादी विमर्श के संदर्भ में आलोचना कीजिए।

(घ) कुबेर नाथ राय के निबंध 'एक नदी इरावती' के कथ्य और भाव का विवेचन कीजिए।

(ङ) विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध 'चितवन की छाँव' की भाषा-शैली का विवेचन कीजिए।

(च) बालकृष्ण भट्ट के निबन्ध 'कौलिव्य एवं सद्व्रत' के विचार पक्ष की विवेचना कीजिए। 4×10=40

(4×12=48)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के अतिलघु उत्तर दीजिए :

(क) 'परिंदे' कहानी की मूल समस्या पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) 'वापसी' कहानी में परिवार पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'उसने कहा था' की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

(घ) 'पूस की रात' की मूल समस्या को उजागर कीजिए।

(ङ) बालकृष्ण भट्ट का हिन्दी निबन्ध विकास-काल में स्थान।

(च) आचार्य शुक्ल जी की भाषा-शैली की किसी एक विशेषता पर टिप्पणी लिखिए।

(छ) छायावाद के प्रति नंददुलारे वाजपेयी जी की धारणा पर टिप्पणी कीजिए।

(ज) कुबेर नाथ राय के निबंध के सौंस्कृतिक पक्ष पर टिप्पणी लिखिए। 8×1=8

(8×2=16)